भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1596

27.11.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

चीनी राष्ट्रपति का भारत दौरा

1596. **श्री राहुल रमेश शेवाले:**

श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चीन के राष्ट्रपति ने हाल ही में भारत का दौरा किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त दौरे के दौरान हुई चर्चा का ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या परिणाम रहे हैं;

(ग) क्या उक्त दौरे के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में चीनी सैनिकों की घुसपैठ एवं अतिक्रमण तथा वैश्विक आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका आदि मुद्दों पर भी चर्चा की गई है;

(घ) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा एवं निष्कर्ष क्या रहे;

(ड.) क्या दोनों देशों के नेता अपने द्विपक्षीय संबंध में नए विषय और सामग्री जोड़ने पर सहमत हो गए हैं;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वारा इस दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) से (छ) प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और चीन जनवादी गणराज्य के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग ने दिनांक 11-12 अक्तूबर, 2019 को चैन्नई में दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक की। दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक से दोनों राजनेता व्यापक, दीर्घावधि वाले और रणनीतिक महत्व के मुद्दों पर प्रोटोकॉल एवं पूर्व निर्धारित कार्यसूची की बाध्यताओं के बिना विचारों का सीधे तौर पर, स्वंत्रत एवं सुस्पष्ट आदान-प्रदान कर सके।

दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक के दौरान दोनों राजनेताओं के विचार-विमर्श से निम्नलिखित निष्कर्ष सामने आए:

i. दोनों राजनेताओं ने व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ाने, दोनों देशों के मध्य बेहतर व्यापार संतुलन बनाने और एक विनिर्माण साझेदारी के विकास के जरिए परस्पर निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उच्च स्तरीय आर्थिक एवं व्यापार संवाद तंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।

ii. दोनों नेताओं ने वर्ष 2020 को भारत-चीन सांस्कृतिक और लोगों के बीच परस्पर मेलजोल वर्ष घोषित करने का निर्णय लिया है।

iii. दोनों राजनेताओं ने निर्णय लिया है कि 2020 में भारत-चीन संबंधों की स्थापना की 70 वीं सालगिरह को मनाने के लिए 70 क्रियाकलाप आयोजित किए जाएंगे।

iv. दोनों राजनेता तमिलनाडु और चीन के फुजिआन प्रांत के मध्य सिस्टर-स्टेट संबंध स्थापित करने और साथ ही चीन और भारत के बीच में प्राचीन समुद्री संपर्कों पर अनुसंधान आयोजित करने पर सहमत हुए हैं।

इसके अतिरिक्त, दोनों राजनेताओं ने अप्रैल 2018 में चीन के वुहान में प्रथम अनौपचारिक शिखर बैठक के दौरान बने मतैक्य की पुनः पुष्टि की है कि भारत और चीन वर्तमान अन्तरराष्ट्रीय परिदृश्य में स्थायित्व के कारक हैं और यह कि दोनों पक्ष विवेकपूर्ण ढ़ंग से अपने मतभेदों का समाधान करेंगे और किसी भी मुद्दे पर अपने मतभेदों को विवाद नहीं बनने देंगे।

जहां तक दोनों देशों की सीमा का संबंध है दोनों राजनेताओं ने विशेष प्रतिनिधियों के कार्य का भी सकारात्मक मूल्यांकन किया और उन्हें राजनीतिक मानदंडों एवं दिशानिर्देशक सिद्धान्तों, जिन पर दोनों पक्ष 2005 में सहमत हुए थे, के आधार पर निष्पक्ष, तर्कसंगत और परस्पर स्वीकार्य समाधान पर पहुंचने के अपने प्रयास जारी रखने का आग्रह किया। दोनों राजनेताओं ने अपने समझौते को दोहराया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शान्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाते रहेंगे।

दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक के दौरान प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आतंकवाद सहित कई मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्षों ने महसूस किया कि आतंकवाद से सभी के लिए खतरा है। इस संबंध में उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त प्रयास जारी रखने के महत्व को स्वीकारा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पूरे विश्व में और बिना भेदभाव के आतंकवादी गुटों के प्रशिक्षण, उन्हें धन मुहैया कराने और उन्हें समर्थन देने के विरुद्ध तंत्र को मजबूत करें।

***